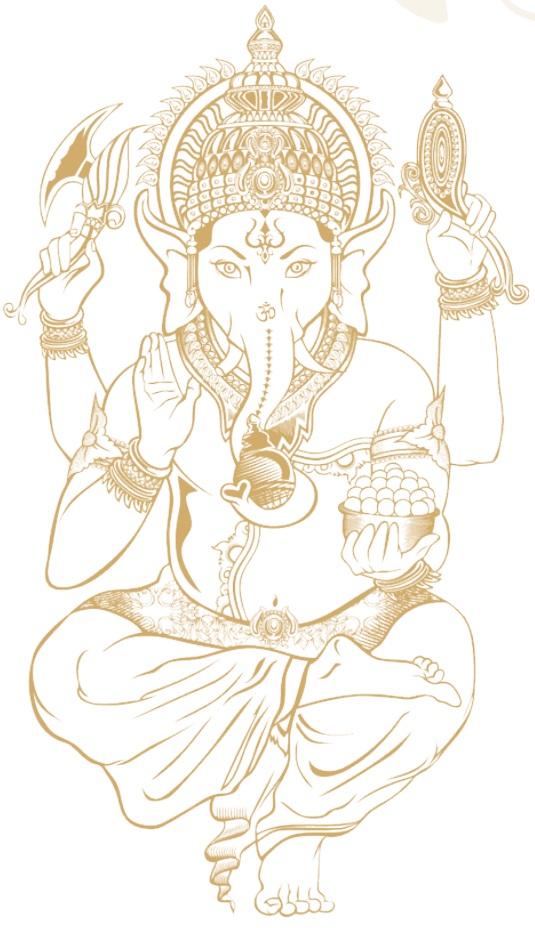

Anuvansh

Ms.swati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120888912

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/10/1988	जन्म तिथि	14/11/1991
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 07:10:00	जन्म समय	22:45:00 घंटे
घटी 03:09:50	जन्म समय(घटी)	41:13:26 घटी
India	देश	India
Mirzapur	स्थान	Bijnor
25:09:00 उत्तर	अक्षांश	29:22:00 उत्तर
82:34:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:16	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:04	सूर्योदय	06:40:10
17:41:18	सूर्यास्त	17:23:14
23:42:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:52

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 4वर्ष 1मा 7दि		05:31:34	तुला	लग्न	कर्क	14:40:20	मंगल 3वर्ष 8मा 22दि	
चन्द्र		19:19:17	कन्या	सूर्य	तुला	28:05:11	गुरु	
13/11/2025		26:46:54	कर्क	चंद्र	मक	29:33:46	07/08/2013	
13/11/2035		09:17:42	मीन व	मंगल	तुला	26:07:36	07/08/2029	
चन्द्र	13/09/2026	00:10:39	तुला व	बुध	वृश्चि	19:51:08	गुरु	25/09/2015
मंगल	14/04/2027	12:12:28	वृष व	गुरु	सिंह	17:41:01	शनि	08/04/2018
राहु	13/10/2028	08:03:01	सिंह	शुक्र	कन्या	12:02:10	बुध	14/07/2020
गुरु	12/02/2030	03:18:09	धनु	शनि	मक	07:47:35	केतु	19/06/2021
शनि	13/09/2031	20:11:26	कुंभ	राहु	धनु	17:19:27	शुक्र	18/02/2024
बुध	12/02/2033	20:11:26	सिंह	केतु	मिथु	17:19:27	सूर्य	07/12/2024
केतु	13/09/2033	03:44:31	धनु	हर्ष	धनु	17:23:14	चन्द्र	08/04/2026
शुक्र	15/05/2035	13:48:01	धनु	नेप	धनु	20:54:03	मंगल	15/03/2027
सूर्य	13/11/2035	17:38:49	तुला	प्लूटो	तुला	26:36:25	राहु	07/08/2029

लग्न-चलित

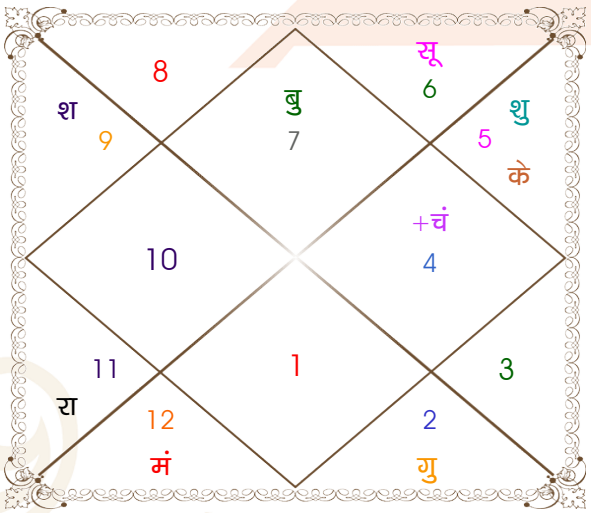

लग्न-चलित

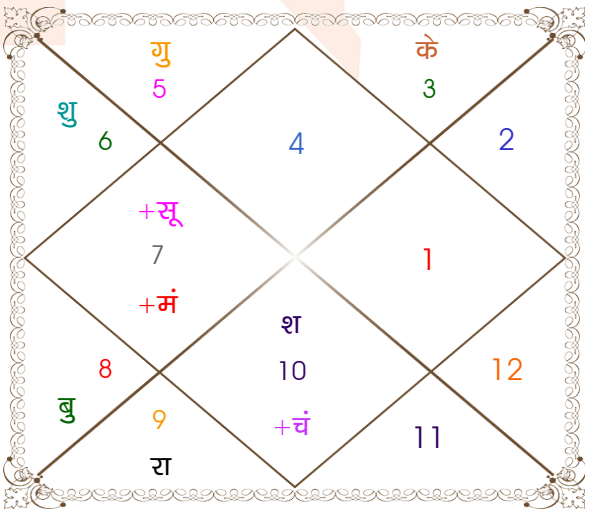

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

।दनअंदी का वर्ग श्वान है तथा Ms.swati का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दनअंदी और Ms.swati का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दनअंदी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.swati मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ।दनअंदी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दनअंदी तथा Ms.swati में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।